भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

निगमित संचार निदेशालय

भाविप्रा द्वारा बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची, झारखंड में न्यू इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) का शुभारंभ

नई दिल्ली, **16** जनवरी, **2023 :** अपने हवाई अड्डों पर एयर नेविगेशन सर्विसेज (**ANS**) की आधारभूत संरचना में निरंतर विकास के रूप में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हाल ही में झारखंड के रांची में बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर रनवे-**31** हेतु फ़ैसिलिटी परफ़ोर्मेंस श्रेणी-**I** इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आई एल एस**)** का शुभारंभ किया है। नए आई एल एस से उस मौजूदा सुविधा को विस्थापित किया गया है जिसका अनुशंसित कार्यकाल समाप्त हो गया था। बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची में यात्रियों के आवागमन में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है।

सर्वाधिक यात्री आवागमन को पूरा करने के लिए हवाईअड्डे पर स्थापित किया गया नया आईएलएस विश्व में रेडियो नेविगेशनल एड्स सिस्टम के अग्रणी निर्माता मैसर्स इंद्रा (नोरमार्क) द्वारा निर्मित है। नई सुविधा में एक उन्नत आई एल एस लोकलाइज़र एंटीना सिस्टम है जो सभी प्रकार के मौसम की स्थिति में हवाईअड्डे पर उतरने वाले सभी विमानों के सटीक पहुँच में सहायक होगा ।

लगभग 5.67 करोड़ रूपए की परियोजना लागत के साथ, नए आईएलएस को हवाई अड्डे पर प्रचालन उपयोग के लिए 9 जनवरी 2023 से प्रारम्भ कर दिया गया है। नई प्रणाली की पूर्ण स्थापना, संरेखण, परीक्षण और उड़ान निरीक्षण भाविप्रा की रेडियो निर्माण और विकास एकक/उड़ान निरीक्षण एकक (आरसीडीयू/एफआईयू) द्वारा आंतरिक रूप से किया गया है।

इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम एक मानक आईसीएओ (अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन) सटीक पहुँच(अप्रोच) लैंडिंग सहायक है जिसका उपयोग सामान्य या प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में रनवे लैंडिंग के लिए विमान के मार्गदर्शन के लिए सटीक दिगंश (अजिमुथ) के साथ-साथ अवरोहण मार्गदर्शन संकेत प्रदान करने के लिए किया जाता है। एक आईएलएस में दो मुख्य उप-प्रणालियाँ होती

हैं, यथा लोकेलाइज़र और ग्लाइड पाथ सिस्टम जो उतर रहे विमान को क्रमशः पार्श्व और लंबवत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। आईएलएस के भाग के रूप में ग्लाइड पाथ या मार्करों के साथ दूरी मापने के उपकरण (डीएमई) भी स्थापित किए गए हैं ताकि रनवे पर उतरने वाले विमान को टच डाउन से दूरी प्रदान की जा सके। आईएलएस पार्श्व और लम्बवत मार्गदर्शन प्रदान करता है जो उतर रहे विमान के लिए एक सटीक पहुँच(अप्रोच) उड़ान भरने हेतु आवश्यक है।

आईएलएस सुविधा को सभी मौसम परिस्थितियों में हवाईअड्डे के रनवे तक दिक्चालन हेतु अत्यधिक सटीक और भरोसेमंद साधन माना जाता है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: मप्र (नि.सं.) 011-24622787

प्रेस विज्ञप्ति संख्या 36/ 2022-23

भाविप्रा के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे, रांची, झारखंड में लोकलाइज़र (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम का भाग) स्थापित किया गया

भाविप्रा के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे रांची, झारखंड
पर स्थापित ग्लाइड पाथ उपकरण (आईएलएस का भाग),